AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

शिक्षा के क्षेत्र में विशेष पहल है एनईपी

माई सिटी रिपोर्टर

सेमिनार में बोलते प्रो. बलराज चौहान। -संवाद

विधि संकाय में चुनौतियों व संभावनाओं पर चर्चा

लखनऊ। विधि का क्षेत्र यूं तो नई शिक्षा नीति (एनईपी) के परिप्रेक्ष्य से बाहर है, किंतु विधि शिक्षा में इंटीग्रेटेड कोर्स बहुत पहले ही शुरू कर दिए गए थे। इससे छात्रों को छह के बजाये पांच वर्षों में विधि की अंडर ग्रेजुएट शिक्षा मिल रही है। एनईपी शिक्षा के क्षेत्र में अति आवश्यक व विशेष पहल है।

यह विचार रखे डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी व डीएनएलयू जबलपुर के पूर्व कुलपति प्रो. बलराज चौहान ने। वे लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की मूट कोर्ट कमेटी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : चुनौतियां एवं संभावनाएं विषयक राष्ट्रीय सेमिनार को बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित कर रहे थे।

विशेष अतिथि प्रदेश सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता कुलदीप पति त्रिपाठी ने बताया कि एनईपी 34 वर्षों के बाद शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन लाने में सक्षम है। विधि व मेडिकल शिक्षा इससे बाहर है, किंतु इसके अहम बिंदुओं को विधि विश्वविद्यालयों ने अपनाते हुए पाठ्यक्रम में शामिल किया है।

डीन लॉ प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि यदि एनईपी ठीक से लागू की जाए तो यह मील का पत्थर साबित होगी। उच्च शिक्षण संस्थान केवल डिग्री बांटने के केंद्र नहीं बनने चाहिए। बल्कि मानव संसाधनों के विकास के केंद्र होने चाहिए। उद्घाटन समारोह के बाद देशभर से आए प्रतिभागियों ने एनईपी-2020 पर पेपर प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की आयोजन सचिव प्रो. विनीता काचर ने अतिथियों का स्वागत किया तथा एनईपी के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की।

पुस्तक का विमोचन

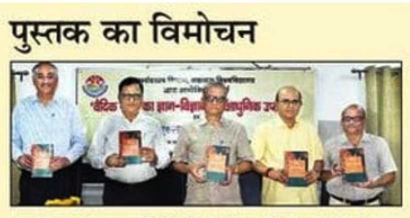

लखनऊ। लखनऊ विवि के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा संपादित किताब 'वैदिक ज्ञान-विज्ञान' का विमोचन शनिवार को हुआ। विवि के डीपीए सभागार में इस अवसर पर 'वैदिक काल का ज्ञान-विज्ञान एवं आधुनिक उपादेयता' विषयक परिचर्चा में मुख्य अतिथि अध्यक्ष हिंदी संस्थान डॉ. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि हमारी सभ्यता काफी पुरानी व सुदृढ़ है। (माई सिटी रिपोर्टर)

छूटे छात्रों के प्रैक्टिकल 12 को

लखनऊ। लखनऊ विवि व सहयुक्त महाविद्यालयों के बीएड तीसरे सेमेस्टर के छात्रों की छूटी हुई प्रयोगात्मक परीक्षा 12 जुलाई को सुबह 10 बजे से खुनखुन जी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि इसके बाद किसी की परीक्षा कराया जाना संभव नहीं होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

सात विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विवि के सांख्यिकी विभाग में वर्चु एनालिटिक्स यूएसए द्वारा सात विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट किया गया। साक्षात्कार के चार चरणों की प्रक्रिया के बाद विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव पांडेय के द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। (माई सिटी रिपोर्टर)

तीसरे सेमेस्टर का परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विवि व सहयुक्त महाविद्यालयों के बीएड, एमएड, एमए फोरेंसिक साइंस व एमएसडब्ल्यू तीसरे सेमेस्टर के नियमित व बैक पेपर परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि परिणाम विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीएड कॉलेजों के शिक्षकों को लविवि करेगा प्रशिक्षित

माई सिटी रिपोर्टर

इस साल से विवि से जुड़े हैं चार नए जिले

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने संबद्ध बीएड कॉलेजों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगा। यह कवायद नैक पियर टीम के भ्रमण के बाद की जाएगी।

इस साल से लखनऊ विवि से चार जिलों रायबरेली, हरदोई, सीतापुर व लखीमपुर खीरी के कॉलेज भी जुड़े हैं। विश्वविद्यालय की ओर से हाल में यहां सेमेस्टर परीक्षाओं का आयोजन भी किया गया है। इसमें कुछ कमियां मिली हैं। इसे देखते हुए विवि प्रशासन की ओर से इन कॉलेजों की हैंड होल्डिंग करने का निर्णय लिया गया। डीन एजुकेशन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी ने बताया कि अब तक कानपुर विवि से जुड़े कॉलेजों में प्रैक्टिकल को लेकर विद्यार्थियों के पास अनुभव की कमी सामने आई है। वहां फील्ड विजिट या फील्ड सर्वे जैसी चीजें पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है। इसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि इनको ट्रेंड किया जाए। विश्वविद्यालय में अभी नैक की तैयारियां चल रही हैं। इसलिए इसका प्रशिक्षण नैक विजिट के बाद दिया जाएगा।

JAGRAN CITY PAGE IV

बीएड कालेजों के शिक्षकों को मिलेगी ट्रेनिंग

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) बीएड, एमएड और एमए एजुकेशन पाठ्यक्रम चलाने वाले कालेजों के शिक्षकों को अपने सिलेबस के अनुसार प्रशिक्षण देगा। विशेषज्ञ उन्हें विद्यार्थियों के फील्ड विजिट, सर्वे सहित प्रयोगात्मक कार्यों के बारे में बताएंगे, ताकि वे छात्र-छात्राओं को इसे बेहतर तरीके से पढ़ा और समझा सकें। इसके लिए जुलाई के अंत में प्रशिक्षण की शुरुआत होगी।

कानपुर विश्वविद्यालय से जुड़े करीब सवा तीन सौ कालेज अब लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हो चुके हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग की अधिष्ठाता प्रोफेसर तृप्ता त्रिवेदी ने बताया कि हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी के बीएड, एमएड व एमए एजुकेशन के कालेज पहली बार लवि से जुड़े हैं। इन पाठ्यक्रमों के शिक्षकों को अभी प्रयोगात्मक कार्यों के पढ़ाने का अनुभव नहीं है, क्योंकि कानपुर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में प्रैक्टिकल में सिर्फ वायवा होता था। फील्ड से जुड़े प्रायोजित कार्य नहीं कराए जाते थे। ऐसे में वहां के बहुत से विद्यार्थियों को भी इसकी जानकारी नहीं है। लवि में थ्योरी के साथ फील्ड विजिट, सर्वे सहित कई चीजें पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। इसलिए चारों जिलों के इन पाठ्यक्रम से जुड़े शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी।

नैक मूल्यांकन के बाद होगी ट्रेनिंग : विश्वविद्यालय में 21, 22 व 23 जुलाई को नैक मूल्यांकन होना है। इसलिए मूल्यांकन के बाद शिक्षा शास्त्र विभाग जुलाई के आखिरी सप्ताह में प्रशिक्षण की शुरुआत करेगा। हर जिले के शिक्षकों के लिए अलग-अलग दिन निर्धारित होंगे। गौरतलब है कि प्रशिक्षण में करीब 120 बीएड कालेज, 20 एमएड व 20 एमए एजुकेशन के शिक्षक शामिल होंगे।

छूटी हुई प्रयोगात्मक परीक्षा 12 को: लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालय के बीएड तृतीय सेमेस्टर-2021 के छात्रों की छूटी हुई प्रयोगात्मक परीक्षा 12 जुलाई को सुबह 10 बजे से खुन-खुन जी डिग्री कालेज में आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने नोटिफिकेशन जारी कर कहा है कि जिन्हें प्रयोगात्मक परीक्षा देनी है, वह निर्धारित प्रक्रिया पूरी करके शामिल हो सकते हैं। इसके बाद किसी भी छात्र की परीक्षाएं कराना संभव नहीं है।

सात विद्यार्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

लवि के सांख्यिकी विभाग के सात विद्यार्थियों का चयन यूएसए की एक कंपनी मे हुआ है। इनमें अंजली वैश्य, किशोर कपूर, शेखर सिंह, शिप्रा शुक्ला, शिवानी प्रसाद, प्रसिद्धि श्रीवास्तव, जाह्नवी शामिल हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव पांडेय ने बताया कि साक्षात्कार के चार चरणों की प्रक्रिया के बाद विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। चयनित विद्यार्थियों की तीन महीने ट्रेनिंग होगी। उसके बाद कंपनी समीक्षा के बाद तीन लाख रुपए वार्षिक पैकेज देगी। इस अवसर पर कंपनी के निदेशक नरेंद्र किशन दास व अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

परिणाम जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड एजुकेशन, एमएड एजुकेशन, एमए फारेंसिक साइंस व एमएसडब्ल्यू तृतीय सेमेस्टर/वर्ष के परिणाम जारी कर दिए हैं। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर इसे देख सकते हैं।

भूगोल विभाग के विद्यार्थियों ने तैयार किया मानचित्र

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को भूगोल विभाग के बीए छठे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सर्वेक्षण कार्य किया। इसमें उन्होंने प्रिजमेटिक कंपास उपकरण के माध्यम से धरातल से मानचित्र बनाने संबंधी आंकड़ा जुटाया। फिर मानचित्र भी तैयार किया। उसके बाद डंपी लेवल उपकरण के जरिए धरातल का तल मापन किया।

सर्वेक्षण करा रहे भूगोल विभाग के शिक्षक डा. अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि कालोनी निर्माण, सड़क, रेलवे लाइन, नहर, नदी तटबंध, जलापूर्ति एवं सीवर लाइन आदि के नियोजन के लिए धरातल के स्वरूप का अध्ययन आवश्यक है। भूगोल विषय के स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम में सर्वेक्षण एवं सर्वे है। सर्वेक्षण में उपकरण के माध्यम से मानचित्र बनाने संबंधी आंकड़ा धरातल से एकत्रित किया जाता है। सर्वे में व्यक्तिगत पर्यवेक्षण द्वारा धरातल की सामाजिक, आर्थिक एवं अन्य विशेषताओं से संबंधी आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं जिसके आधार पर विद्यार्थी को आख्या प्रस्तुत करनी होती है। इसके लिए शैक्षणिक यात्रा का भी आयोजन किया जाता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय : छात्राओं ने बनाईं रचनात्मक कृतियां

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने मिशन शक्ति चौथे चरण में शनिवार को जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया। ओपन माइक के रूप में हुए इस कार्यक्रम की थीम 'नारीत्व के रंग-मानसिक स्वास्थ्य का परिप्रेक्ष्य' थी। इस्तिका स्वरूप ने अपनी स्वरचित कविता 'सांसें चल रही हैं अभी' सुनाई और सबकी प्रशंसा अर्जित की। गौरी सिंह ने 'ओ री चिरैया' गाने पर प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने 'कलर स्प्लैश' एक्टिविटी में कोलाज एवं अन्य रचनात्मक कृतियां भी कार्यक्रम की थीम पर बनाईं। विद्यार्थियों ने 'वाक आफ वूमनहुड' का भी आयोजन किया। इसमें विद्यार्थियों ने नारी के अलग-अलग रूप धारण कर यह संदेश दिया कि हर नारी मान्य है। चाहे वह जैसे तैयार हो या जैसी नौकरी करे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. मधुरिमा लाल ने कहा कि 'हम चाहें कितनी ऊंचाई पर जाएं, हमारे पांव जमीन पर होने चाहिए। एक मां के मन में क्या चल रहा है वह या तो मां ही बता सकती है या तो उसकी बेटी, जो आगे चलकर मां बनेगी।' इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डा. अर्चना शुक्ला, डा. मानिनि श्रीवास्तव, डा. मेघा सिंह सहित अन्य शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहीं।

'पैरवी करते समय मजबूती से तर्क रखिए, निर्णय देने से बचिए'

जासं, लखनऊ : डा. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बलराज चौहान ने कहा कि पैरवी करते समय तर्क को मजबूती से रखें, न्यायाधीश पर निर्णय थोपने से बचें। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर जानकीपुरम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति चुनौतियां और संभावनाओं पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रो. चौहान ने बताया कि विधि शिक्षा में इंटीग्रेटेड कोर्स बहुत पहले ही शुरू कर दिया गया था। नई शिक्षा नीति विधि शिक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा में समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य व जवाबदेही तय करके इस नीति को लागू किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता कुलदीप पति त्रिपाठी ने बताया कि नई शिक्षा नीति 34 साल बाद आई। यह नीति शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करने में सक्षम है। विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने कहा कि उच्च संस्थानों को डिग्री बांटने का केंद्र ही नहीं, मानव संसाधन के विकास का केंद्र भी बनना चाहिए। आयोजन सचिव विनीता काचर रहीं।

विज्ञान जिन पर मुहर लगा रहा, वे वेद में पहले से सत्यापित

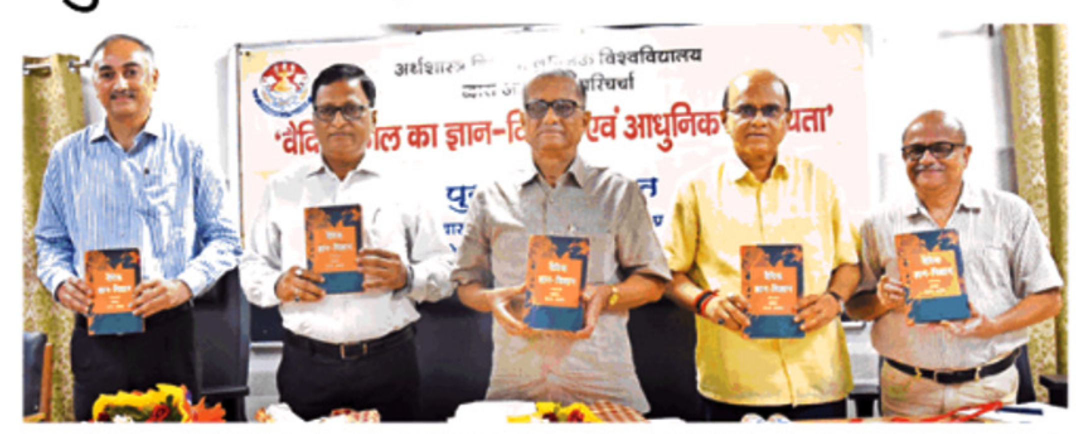
लखनऊ विश्वविद्यालय मे आयोजित कार्यक्रम मे पुस्तक वैदिक काल का ज्ञान-विज्ञान एवं आधुनिक उपादेयता का विमोचन करते (बाएं से दाएं) प्रो. विवेक सहाय, प्रो. एमके अग्रवाल, प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्ता, प्रो. मनोज दीक्षित, प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव ● जागरण

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रांगण में अवसर तो वैदिक ज्ञान-विज्ञान पर आधारित पुस्तक के विमोचन का था, लेकिन मंच पर वैदिक ज्ञान की वर्तमान में सार्थकता पर चर्चा छिड़ी। वक्ताओं के विचार प्रवाह का सार यह रहा कि हमें उधार की आधुनिकता नहीं चाहिए। विज्ञान वर्तमान में जिन उन्नतियों पर मुहर लगा रहा है, वेद तो पहले से उसे सत्यापित कर चुके हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से शनिवार को डीपीए सभागार में आयोजित परिचर्चा में वैदिक काल का ज्ञान-विज्ञान एवं आधुनिक उपादेयता पर विमर्श किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि और उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डा. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि हमारी सभ्यता प्राचीन और सुदृढ़ है। आवश्यकता यह है हम नव निर्माण में प्राचीनता का समावेश करें। कल, आज और कल का सामंजस्य आवश्यक है, क्योंकि ये हर विकास की अनिवार्य कड़ियां हैं। भारतीय संस्कृति को पाश्चात्य रंग में ढलते देखना सुखद नहीं है। ऋग्वेद काल के लोग जानते थे कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। हमारे पुरखों ने सदियों से नवग्रहों की स्थिति देखकर ही पर्व, तिथि, सूर्यग्रहण, चंद्रग्रहण के साथ कुंभ जैसे विराट आयोजनों का मुहूर्त तय कर दिया।

विशिष्ट अतिथि दैनिक जागरण के संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल ने कहा कि राजनीति से राजनीति तो जीती जा सकती है, लेकिन इससे समस्याओं का समाधान नहीं मिलता। इसके लिए हमें भारतीय दर्शन के मूल पर ध्यान देना होगा। पारस्परिक संवाद व सहिष्णुता समस्याओं के समाधान व प्रगति के लिए जरूरी है। संवाद, सहिष्णुता और सामंजस्य हर समस्या का समाधान हैं। अध्यक्षता कर रहे प्रो. मनोज दीक्षित ने कहा कि भारत में मौलिक शोध की जरूरत है, ताकि अपना देश फिर से विश्वगुरु बन सके। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि आर्थिक, सामाजिक समस्याओं का समाधान होता नजर नहीं आ रहा, ऐसे में हमें वैदिक काल की ओर देखना चाहिए। इस मौके पर प्रो. मनोज अग्रवाल की वैदिक काल का ज्ञान-विज्ञान एवं आधुनिक उपादेयता पुस्तक का विमोचन किया गया। प्राचीन भारतीय इतिहास के प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव ने सरस्वती नदी के लुप्त होने पर प्रकाश डाला। यहां प्रो. विवेक सहाय समेत बड़ी संख्या में शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

i-NEXT PAGE 2

बीएड, एमएड के परिणाम जारी

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी ने बीएड एजुकेशन, एमएड एजुकेशन, एमए फारेंसिक साइंस व एमएसडब्ल्यू तृतीय सेमेस्टर/वर्ष के परिणाम जारी कर दिए हैं. छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर इसे देख सकते हैं.

सात विद्यार्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के सात विद्यार्थियों का चयन यूएसए की एक कंपनी में हुआ है. इनमें अंजली वैश्य, किशोर कपूर, शेखर सिंह, शिप्रा शुक्ला, शिवानी प्रसाद, प्रसिद्धि श्रीवास्तव, जाह्नवी शामिल हैं. विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव पांडेय ने बताया कि साक्षात्कार के चार चरणों की प्रक्रिया के बाद विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए. चयनित विद्यार्थियों की तीन महीने ट्रेनिंग होगी. उसके बाद कंपनी समीक्षा के बाद तीन लाख रुपए वार्षिक पैकेज देगी.

HINDUSTAN PAGE 8

बीएड, एमएड के परिणाम घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के मुताबिक विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों की दिसंबर 2021 तथा 2022 के नियमित तथा बैक पेपर परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। www.lkouniv.ac.in तथा exam.luonline.in पर देखा जा सकता है। बीएड एजुकेशन तृतीय वर्ष, एमएड एजुकेशन तृतीय वर्ष, एमए फोरेंसिक साइंस तृतीय वर्ष, एमएसडब्ल्यू सोशल वर्क तृतीय वर्ष के परिणाम घोषित किए गए हैं।

एलयू में सात छात्रों का कैंपस सेलेक्शन

लखनऊ। लखनऊ विश्विविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में शनिवार को कैंपस प्लेसमेंट शिविर लगा। इसमें सात विद्यार्थियों का चयन किया गया। चार चरणों में चले साक्षात्कार के बाद विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव पांडेय ने चयनित अभ्यर्थियो को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान विरचर एनालिटिक्स के निदेशक नरेंद्र किशन दास, प्रो. मसूद एच सिद्दीकी, डॉ. रोहिणी यादव आदि मौजूद रहे।

बीएड की छूटी प्रायोगिक परीक्षा 12 जुलाई को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्याय तथा संबद्ध महाविद्यालयों के बीएड तृतीय सेमेस्टर 2021 के छात्रों की छूटी प्रायोगिक परीक्षा 12 जुलाई को सुबह 10 बजे से खुनखुनजी डिग्री कॉलेज में होगी। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर शामिल हो सकते हैं। इस तिथि के बाद किसी भी छात्र की परीक्षा कराया जाना संभव नहीं है।

AMRIT VICHAR PAGE 7

वैदिक ज्ञान-विज्ञान पुस्तक का विमोचन

अमृत विचार संवाददाता

डीपीए सभागार में पुस्तक वैदिक ज्ञान विज्ञान पुस्तक का विमोचन करते अतिथि डॉ. सदानंद प्रसाद गुप्ता अन्य अतिथिगण। अमृत विचार

विमोचन

● लविवि के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर एमके अग्रवाल ने किया पुस्तक का संपादन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को वैदिक ज्ञान-विज्ञान नाम की पुस्तक का विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग डॉ. मनोज अग्रवाल की ओर से संपादित इस इस पुस्तक के विमोचन के मौके पर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ला ने कहा राजनीति से राजनीति तो जीती जा सकती है, लेकिन इससे समस्याओं का हल नहीं निकलता है। वहीं मुख्य अतिथि हिंदी संस्थान के अध्यक्ष डॉ. सदानंद प्रसाद गुप्ता ने कहा कि हमारी सभ्यता काफी पुरानी व सदृढ़ है। ऐसे में हमें नये परिवेश में पुराने का लाभ लेना चाहिए। हमें मूल रूप से सर्वप्रथम अपनी भाषा को प्रोत्साहित करना चाहिए। वहीं अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर मनोज दीक्षित ने कहा कि भारत में मौलिक शोध को आवश्यकता है ताकि भारत विश्व गुरू बन सके। इस मौके पर प्रोफेसर सहाय ने कहा कि प्रोफेसर मनोज अग्रवाल की पुस्तक से एक नये परिवेश में विचारों का आदान प्रदान हो सकेगा।

PIONEER PAGE 4

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमरजीत यादव को डीएम ने किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

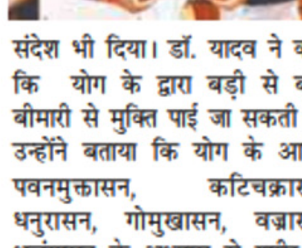

जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं कोऑर्डिनेटर, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन डॉ अमरजीत यादव को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डॉ. अमरजीत यादव को यह प्रशस्ति पत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनरूप भारत सरकार के निर्देश पर अष्टम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2022 को रेजीडेंसी में आयोजित योग कार्यक्रम में सराहनीय योगदान के लिए दिया गया है। सम्माति होने के दौरान योग गुरू डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि योग किसी भी व्यक्ति के निरोग रहने का सबसे बड़ा साधन है। उन्होंने कहा कि योग के द्वारा प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक व मांसिक रूप से स्वस्थ्य रह सकता है। उन्होंने इस मौके पर प्रत्येक व्यक्ति को योग करने का संदेश भी दिया। डॉ. यादव ने कहा कि योग के द्वारा बड़ी से बड़ी बीमारी से मुक्ति पाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि योग के आसन पवनमुक्तासन, कटिचक्रासन, धनुरासन, गोमुखासन, वज्रासन, भुजंगासन के अभ्यास से शरीर के अंगों की कार्य प्रणाली बेहतर की जा सकती है। मधुमेह के लिए मंडूकासन, उच्च रक्तचाप के लिए वृक्षासन, मोटापे के लिए अग्निसार क्रिया एवं अनुलोम विलोम प्राणयाम लाभदायक है। उन्होंने कहा कि आज के समय में योग को आपने जीवन शैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना लाभकारी होगा।

TRUE TIMES PAGE 2

नवीन शिक्षा नीति, शिक्षा के क्षेत्र में अतिआवश्यक एवं विशेष पहल

द टाइम्स संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित विधि संकाय की मूट कोर्ट कमेटी द्वारा एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक स्थित जूरिस हॉल में विषय 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: चुनौतियां एवं संभावनाएं' पर राष्ट्रीय स्तरीय सेमिनार आयोजित कराया गया। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि आरएमएलएनएलयू, लखनऊ एवं डीएनएलयू, जबलपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर बलराज चौहान मौजूद रहे। विशेष अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता कुलदीप पति त्रिपाठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सेमिनार की आयोजन सचिव एवं मूट कोर्ट कमेटी की शिक्षिका संचालिका विनीता काचर ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के अहम बिंदुओं पर चर्चा करी। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बलराज चौहान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में बताया की यूं तो विधि का क्षेत्र इस नीति के परिप्रेक्ष्य से बाहर हैं परंतु विधिक शिक्षा में इंटीग्रेटेड कोर्स बहुत पहले ही शुरू कर दिए गए थे जिससे छात्रों को 6 की बजाए 5 वर्षों में विधिक अंडरग्रैजुएट शिक्षा प्राप्त करवा पाना संभव हो सका है। नवीन शिक्षा नीति, शिक्षा के क्षेत्र में अति आवश्यक एवं विशेष पहल है। चुनौतियां जैसे शिक्षा में सुगम्यता, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य एवम जवाबदेही से जीतकर इस नीति को पूर्णता लागू कराया जा सकता है। विशेष अतिथि कुलदीप पति त्रिपाठी ने बताया की नवीन शिक्षा प्रणाली 34 वर्षों के विलंब के पश्चात शिक्षा के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व परिवर्तन लाने में सक्षम है। उन्होंने बताया की विधिक शिक्षा एवं मेडिकल शिक्षा इस नवीन प्रणाली के परिपेक्ष से बाहर हैं परंतु इसके अहम बिंदुओं को विधि विश्वविद्यालयों ने अपनाते हुए अपने करिकुलर में भी शामिल किया है। संकाय अध्यक्ष एवं विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर सीपी सिंह ने बताया कि यदि नई शिक्षा नीति उचित रूप से लागू की जाए तो वह मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा की उच्च शिक्षण संस्थान केवल डिग्री बांटने के केंद्र नहीं बनने चाहिए बल्कि मानव संसाधनों के विकास के केंद्र होने चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी उद्देश्य के साथ विकसित और लागू की जा रही है। तत्पश्चात उपस्थित सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया एवं समस्त प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के उपरांत देश भर से आए प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली 2020 पर अपने द्वारा लिखे पेपर प्रस्तुत किए एवं सेमिनार द्वारा विशेष ज्ञान अर्जित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश सरकार, परिवहन मंत्री, दयाशंकर सिंह निजी स्वास्थ्य कारणों से कार्यक्रम में आने में असक्षम रहे।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि : कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में 7 विद्यार्थी चयनित

लखनऊ। लखनऊ विश्विविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में शनिवार को कैंपस प्लेसमेंट शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सात विद्यार्थियों का चयन किया गया। चार चरणों में चले साक्षात्कार के बाद विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव पांडेय ने चयनित अभ्यर्थियो को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान विरचर एनालिटिक्स के निदेशक नरेंद्र किशन दास, प्रो. मसूद एच सिद्दीकी, डा. रोहिणी यादव आदि उपस्थित रहे।

सतत् विकास के लिए अपनी भाषा का प्रोत्साहन जरूरी : गुप्त

लविवि में 'वैदिक काल का ज्ञान-विज्ञान एवं आधुनिक उपादेयता' पुस्तक का विमोचन

लखनऊ (एसएनबी)। 'वैदिक काल का ज्ञानविज्ञान एवं आधुनिक उपादेयता' विषयक पुस्तक का विमोचन शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के डीपीए सभागार में किया गया। पुस्तक विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ के अध्यक्ष डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त रहे। फैजाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. मनोज दीक्षित भी कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद रहे। पुस्तक के संकलनकर्ता और अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और इस पुस्तक के लेखन के विषय में अपने विचार रखे। इस दौरान 'वैदिक काल का ज्ञानविज्ञान एवं आधुनिक उपादेयता' पर एक परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डा. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने कहा कि हमारी सभ्यता काफी पुरानी व सुदृढ़ है। ऐसे में हमे नये परिवेश में पुराने का लाभ लेना चाहिए। हमे मूल रूप से सर्वप्रथम अपनी भाषा को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि सर्वांगीण व सतत विकास संभव हो सके। वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ल ने कहा कि राजनीति से राजनीति तो जीती जा सकती है पर इससे सम्स्याओं का हल नहीं पाया जा सकता। इसके लिए हमे भारतीय दर्शन प्रदत्त मूल वातों पर ध्यान देना होगा। इसमें पारस्परिक व सतत सम्वाद एवं सहिष्णुता अति आवश्यक है। अध्यक्षीय उद्वोधन में प्रो. मनोज दीक्षित ने भारत में मौलिक शोध की आवश्यकता वताई ताकि भारत विश्व गुरू वन सके। इस अवसर पर प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव व प्रो. वी. सहाय ने भी अपने विचार रखे। प्रो. एमके अग्रवाल ने वताया कि इस पुस्तक से एक नए परिवेश में विचारों का आदान प्रदान होगा। जिससे सभी लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर काफी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी व अन्य जिज्ञासु मौजूद रहे।

THE PIONEER PAGE 4

Programme dedicated to womanhood at LU

Lucknow (PNS): The department of Psychology, Lucknow University, took forward the fourth phase of Mission Shakti, an initiative by the government of Uttar Pradesh, by dedicating an event to it with the theme 'Shades of womanhood: A mental health perspective'.

The event was held under the patronage of LU Vice-Chancellor Prof AK Rai. The chief guest was Dr Madhurima Lall, who is also the convenor of the Mission Shakti programme. Ex-paratrooper and head of an NGO, Preeti M Shah was also the chief guest. The highlights of the event were splash of colours, open mic and walk of womanhood. The splash of colours required the participants to materialise their message creatively on the papers.

TOI PAGES 1 & 4

Retiring doyens leave behind vacuum in LU

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: Doyens of several fields said goodbye to Lucknow University this year creating a vacuum in the academic arena.

Among LU's retiring teachers this year were the professors of international repute with countless academic achievements and over three decades of teaching and research experience.

Globally known zoologist, Prof Omkar, known for identifying and harnessing the potential of beneficial insects, particularly ladybird beetles, figured in the list of top 2% scientists of the world and has over 3,000 citations.

Loved and highly respected by his students and a recipient of a prestigious travel award from the Indian National Science Academy, Prof Omkar was in the School of Biological Sciences, University of East Anglia (UK), for three months under the INSA Royal Society exchange scientist programme and is a recipient of several national and international awards and have numerous academic achievements.

Similarly, another LU gem is renowned botanist Prof Vivek Prasad, whose retirement made almost every student emotional.

▶Good teachers, P 4

Hope to fill vacuum created by good teachers soon: VC

▶Continued from P 1

He was awarded a high-level scientific fellowship of the Government of France, to work on the characterization and microsequencing of some pathogenesis-related proteins (PR-proteins) of tobacco, at the Institute of Plant Molecular Biology at Strasbourg.

Yet again he was awarded the French government fellowship for a second time for research at the same institute, an opportunity that only a handful of botanists from the country get. Most of his research has been funded by the DST, DBT, and CSIR, as well as two long-term French government fellowships.

Known for research on diabetes and herbal drug development, zoologist Prof AM Saxena was a lifetime member of Helminthological Society of Washington (USA), Laboratory Animal Science Association of India (LASAI), Central Drug Research Institute, Indian Science Congress Association and International Society of Applied Biology.

(Clockwise from top) Vivek Prasad, Nishi Pandey, AM Saxena and Omkar

Another big name in the world of academics, a faculty in English and modern European languages, Prof Nishi Pandey, the first woman chief proctor, dean of students' welfare and chief provost of Lucknow University, is known internationally for excellence. Awarded Fulbright fellowships (of US) multiple times and scholarship by Oxford University, Prof Pandey has numerous academic achievements to her credit.

Other than them, several other teachers of high repute have retired from LU this year.

Meanwhile, Lucknow University vice-chancellor Prof AK Rai said, "LU has been highly cautious about appointing new recruits in terms of merit, talent and academic profile. We are hopeful that the vacuum created by the retirement of such good teachers will be filled sooner or later."